डॉ. राठौर द्वारा वी.यू. की केचुआँ खाद उत्पादन इकाई का लाकार्पण

गत दिवस भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ. एन.एस. राठौर द्वारा नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के पशुपालन प्रक्षेत्र अधारताल का अवलोकन किया गया।

केचुऑ खाद उत्पादन इकाई का लोकार्पण–

वि.वि. द्वारा निर्मित "नानाजी खाद" उत्पादन इकाई का डॉ. राठौर ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब देश में कृषि की पैदावार बढ़ाने हेतु आर्गेनिक खाद का उपयोग अति आवश्यक हो गया है क्योंकि रासायनिक खाद से मिट्टी की उर्वरक क्षमता पर विपरीत प्रभाव आ गया है।

वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने बताया यह खाद मात्र 4.00 रूपये प्रति किला की दर पर उपलब्ध है। यह 5 एवं 10 किलोग्राम के पैकेट में किसानों के लिये विक्रय की जायेगी।

मछली बीज एवं निशेचित अंडो का वितरण–

ग्राम अमखेरा, कुदवारी आदि के मत्स्य पालकों को मछली बीज का निःशुल्क वितरण किया गया। वि. वि. के अधारताल स्थित तालाब में भी मछली के बीज छोड़े गये। पोल्ट्री उद्यमियों को निषेचित अंडो का वितरण भी किया गया।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय नेशनल वर्कशॉप कराये–

डॉ. राठौर ने कहा कि वि.वि. को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना चाहिए जिसमें पूरे देश के मत्स्य वैज्ञानिक भाग लें। इस आयोजन पर जितना भी खर्च होगा वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वहन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय जैसे ही आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली द्वारा चाही गई औपचारिकताऐं पूरी कर लेगा इसको मान्यता प्रदान कर दी जायेगी जिससे भविष्य में इस मत्स्य पालन महाविद्यालय को अन्य महाविद्यालयों की तरह अनुदान प्राप्त होने लगेगा।

इस अवसर पर अधिष्ठाता संकाय डॉ. एस.एन.एस. परमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. वाय.पी. साहनी, अधिष्ठाता डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. एस.के. महाजन, डॉ. एम.एस. ठाकुर, डॉ. आर.पी. नेमा सहित प्रक्षेत्र के समस्त प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर